

मैट हेनरी ने डफी को बताया शानदार गेंदबाज, बोले- टीम के लिए बदलते हैं अपनी रणनीति

क्राइस्टचर्च

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने जैकब डफी का समर्थन करते हुए उन्हें शानदार गेंदबाज और टीम को सबसे पहले रखने वाली मानसिकता का खिलाड़ी बताया है।

वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट में डफी ने 201 रन देकर एक विकेट लिया था। हालांकि, हेनरी ने उनके प्रदर्शन का बचाव करते हुए कहा कि बेसिन रिजर्व की पिच पर गेंद मुश्किल से ही स्लिप तक पहुंच रही थी और डफी को अपनी गेंदबाजी के आंकड़ों की परवाह किए बिना बाउंसर डालने की जिम्मेदारी दी गई थी।

क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में दूसरे टेस्ट से पहले हेनरी ने पत्रकारों से कहा, उन्होंने पिछले कई वर्षों में दिखाया है कि वह एक शानदार गेंदबाज हैं और उनके लिए टीम सबसे पहले है। इसलिए जब हम उनसे कहते हैं कि यहां बाउंसर डालने की योजना अपनाई जा सकती है, तो उन्हें अपने व्यक्तिगत आंकड़ों की चिंता नहीं होती। वह खेल पर प्रभाव डालने की कोशिश करते हैं। उस समय उनकी भूमिका ऐसी थी, जिसमें उन्हें काफी सपाट पिच पर अधिक आक्रामक होना पड़ा। ऐसे में उनका टीम को पहले रखने वाली मानसिकता के साथ इस योजना को स्वीकार करना बेहद प्रभावशाली है।

हेनरी ने कहा, उनकी कौशल क्षमता पर कोई सवाल नहीं है। हमारे लिए कुछ ऐसे मौके थे, जब हमें किसी खिलाड़ी से अलग रणनीति अपनाने की जरूरत थी और वह इसके लिए तैयार थे। मेरे विचार से यही हमारी टीम की खासियत है। हम परिणाम की चिंता करने के बजाय इस बात पर ध्यान देते हैं कि खेल पर किस तरह प्रभाव डाला जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों में यह देखने को मिला है कि उनकी इसी सोच के कारण टीम को कई मैच जिताने वाले प्रदर्शन मिले हैं। इसलिए हमें इस मामले में बिल्कुल भी चिंता नहीं है।

न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन टेस्ट के अंतिम दिन बल्लेबाजी करते हुए मैच ड्रा करा दिया था, जिससे भारतीय टीम को निराशा हुई। हेनरी ने कहा कि इस मुकाबले के ड्रा होने के बाद मेजबान टीम के पास नकारात्मक पहलुओं की तुलना में सकारात्मक बातें अधिक हैं।

हेनरी ने कहा, गेंदबाजी करते समय हमने जिस तरह धैर्य बनाए रखा और सही क्षेत्रों में गेंदबाजी की, उससे हमें नियंत्रण के लिहाज से कुछ शानदार संकेत मिले। इसके बाद थके हुए पैरों और थके हुए दिमाग के साथ बल्लेबाजी करना काफी मुश्किल होता है। मुझे लगता है कि हमारे खिलाड़ियों ने शुरुआती दबाव का जिस तरह सामना किया और शानदार ड्रा हासिल करने तक डटे रहे, वह बेहद प्रभावशाली था।

उन्होंने कहा, यह हमारी बल्लेबाजी की दृढ़ता के लिए एक और उपलब्धि की तरह था। आप जानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में हमेशा चीजें आपके पक्ष में नहीं होतीं। ऐसे में कुछ समय तक दबाव झेलने और फिर ऐसे मौके तलाशने की क्षमता जरूरी होती है, जब आप विपक्षी टीम पर दोबारा दबाव बना सकें। पिछले मैच में हमें काफी समय तक दबाव झेलना पड़ा, लेकिन यह ठीक है। मुझे लगता है कि हमने इसे अच्छी तरह संभाला और मैच ड्रा कराने में सफल रहे। इससे हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है।

मैच के अंतिम अनिवार्य ओवर पूरे होने से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों के हाथ मिलाकर मुकाबला समाप्त करने के फैसले पर पूछे जाने पर हेनरी ने इसे ज्यादा महत्व नहीं दिया। उन्होंने कहा कि डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने जिस तरह बल्लेबाजी की, वह काफी दृढ़ता भरी थी। साथ ही गेंदबाज भी उस समय तक काफी मेहनत कर चुके थे और उन पर काम का भारी दबाव था। हेनरी ने कहा, मुझे लगता है कि डैरिल और जीपी (ग्लेन फिलिप्स) ने जिस तरह बल्लेबाजी की, वह काफी दृढ़ता भरी थी। जब आप ऐसी स्थिति में होते हैं और गेंदबाज भी वहां तक पहुंचने के लिए काफी मेहनत कर चुके होते हैं, तो उन पर काम का भारी दबाव होता है। आगे एक बड़ी सीरीज है और अभी काफी क्रिकेट खेला जाना बाकी है। इसलिए देखिए, हम यही खेल खेलते हैं। मैदान पर हाथ मिलाने का फैसला लिया गया और मैंने इस पर बहुत ज्यादा विचार नहीं किया। घरेलू क्रिकेट में कैंटरबरी के लिए खेलने वाले हेनरी हेगले ओवल में वापसी से खुश हैं, क्योंकि वह इस मैदान से अच्छी तरह परिचित हैं। हालांकि, उन्होंने पिच के व्यवहार को लेकर कोई अनुमान लगाने से बचने की बात कही।

न्यूज ब्रीफ

आईटीएफ भोपाल टेनिस टूर्नामेंट में दूसरे दिन भी कड़े मुकाबले दिग्विजय सिंह हारे



भोपाल। अरेरा क्लब के आउटडोर हार्ड कोर्ट पर आयोजित आईटीएफ भोपाल टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दिन खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। रैंकिंग अंक हासिल करने और अगले दौर में जगह बनाने के लिए खिलाड़ियों ने पूरा दमखम लगाया।

भारत के 390वीं रैंकिंग वाले दिग्विजय सिंह को स्विट्जरलैंड के निकोला ड्रॉसी ने 2-6, 6-3, 6-3 से हराया। कबीर हंस ने आलोक हजारे को 6-0, 6-0 से शिकस्त दी। आदिल कल्याणपुर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए मान सरवानी को 2-6, 6-3, 6-1 से पराजित किया। स्वीडन के विलियम रेच्टमैन विंसिगुएरा ने शंकर हेसनम को 6-3, 3-6, 6-2 से हराया।

छठी वरीयता प्राप्त शशि मुकुंद ने यश चौरसिया को 6-3, 6-1 से मात दी, जबकि आराध्य क्षितिज ने काहिर वारिक को 6-3, 6-2 से पराजित किया। सातवीं वरीयता प्राप्त चिराग दहन ने उदित कंबोज को 6-3, 6-4 से हराया। कजाकिस्तान के ग्रिगोरी लोमाकिन ने रोहन मेहरा को दोनों सेटों में टाईब्रेक के जरिए 7-6, 7-6 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

टूर्नामेंट के तीसरे दिन मुकाबले सुबह 10 बजे से शुरू होंगे। इसमें शीर्ष वरीयता प्राप्त करण सिंह का सामना मकर क्रिवोशचेकोव से होगा। दर्शकों, विद्यार्थियों और टेनिस प्रेमियों की मौजूदगी ने प्रतियोगिता का उत्साह बढ़ाया।

आईपीएल 2027 की नीलामी में उतरेंगे बेन स्टोक्स, बीसीसीआई से मिली अनुमति

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज आलराउंडर बेन स्टोक्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 की नीलामी के लिए अपना पंजीकरण कराया है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, स्टोक्स 16 दिसंबर को गोवा में होने वाली मिनी नीलामी में शामिल होंगे। आईपीएल के नियमों के अनुसार, मेगा नीलामी में हिस्सा नहीं लेने वाले खिलाड़ियों को अगले मिनी आक्शन में पंजीकरण कराने की अनुमति नहीं थी। इस नियम के चलते स्टोक्स 2027 से पहले नीलामी प्रक्रिया में वापसी नहीं कर सकते थे। हालांकि, भारतीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 35 वर्षीय स्टोक्स को आगामी नीलामी में शामिल होने की विशेष अनुमति दे दी है। स्टोक्स ने इसी साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने आखिरी बार 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से आईपीएल में हिस्सा लिया था। आईपीएल में अब तक पांच सत्र खेल चुके स्टोक्स ने 45 मुकाबलों में 935 रन बनाने के साथ 28 विकेट भी हासिल किए हैं।

घुटने की सर्जरी के बाद छह सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे जेवियर बार्टलेट

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट के टेस्ट टीम में जगह बनाने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। बाएं घुटने की सर्जरी कराने के बाद वह करीब छह सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। इस चोट के कारण वह आगामी बिग बैश लीग के शुरुआती मुकाबलों में भी नहीं खेल पाएंगे। बार्टलेट को इस टूर्नामेंट में ब्रिस्बेन हीट की ओर से खेलना है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बुधवार को उक्त जानकारी दी। बार्टलेट को पिछले सप्ताह होबार्ट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए बाएं घुटने में चोट लगी थी। इस मुकाबले में आस्ट्रेलिया को हार का सामना करना पड़ा था और टीम ने श्रृंखला भी गंवा दी थी। चोट के कारण मैदान छोड़ने के बावजूद बार्टलेट दोबारा गेंदबाजी करने लौटे और तीन ओवर किए। उन्होंने सात ओवर में 66 रन देकर एक विकेट लिया। इसके बाद उन्हें पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया। बाद में उनके घुटने की दूरबीन विधि से सर्जरी की गई। बार्टलेट पहली बार आस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल थे। उन्होंने शेफील्ड शील्ड के मौजूदा सत्र की शुरुआत क्वींसलैंड की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए की थी। उन्होंने दो मैचों में 16 विकेट हासिल किए थे। आस्ट्रेलिया का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की मेजबानी करनी है और इसके बाद पांच मैचों की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करना है। इसके बाद आस्ट्रेलिया मेलबर्न में इंग्लैंड के खिलाफ क्रिकेट के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर खेले जाने वाले विशेष टेस्ट मुकाबले में हिस्सा लेगा।

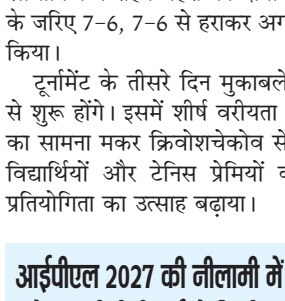

लगातार पांच बड़े टूर्नामेंट, फिर भी नहीं थमी भारत की रफ्तार, लालरेमसियामी ने खोला सफलता का राज

एक साल में पांच बड़ी प्रतियोगिताओं में उतरी भारतीय टीम, खिलाड़ियों की फिटनेस और चोटों के प्रबंधन में सहयोगी स्टाफ की अहम भूमिका

भोपाल

भारतीय महिला हाकी टीम के लिए वर्ष 2026 उपलब्धियों के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक मजबूती की भी बड़ी परीक्षा रहा है। विश्व कप क्वालीफायर से शुरू हुआ टीम का सफर नेशंस कप, विश्व कप और एशियाई खेलों से होता हुआ इन दिनों भोपाल में जारी एशियाई चैंपियंस ट्राफी तक पहुंचा है। लगातार बड़े टूर्नामेंट खेलने के बावजूद टीम ने न सिर्फ अपना प्रदर्शन बेहतर किया, बल्कि विश्व रैंकिंग में भी अब तक का सर्वश्रेष्ठ पांचवां स्थान हासिल कर लिया है।



भारतीय टीम ने मार्च में विश्व कप क्वालीफायर के जरिए विश्व कप में जगह बनाई। जून में नेशंस कप का खिताब जीतकर अगले सत्र की प्रो लीग में पदोन्नति हासिल की। इसके बाद विश्व कप में पांचवां स्थान प्राप्त किया, जो 1974 के बाद इस प्रतियोगिता में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। टीम ने एशियाई खेलों में भी 1982 के बाद पहली बार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। अब भोपाल में उसकी नजर लगातार तीसरी बार एशियाई चैंपियंस ट्राफी का खिताब जीतने पर है।

इन उपलब्धियों के बीच खिलाड़ियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती लगातार मैच खेलने के बावजूद अपनी फिटनेस और प्रदर्शन का स्तर बनाए रखना है। मुख्य कोच श्योर्ड मारिन ने पांचों प्रतियोगिताओं के लिए टीम के मुख्य खिलाड़ियों पर भरोसा कायम रखा। कुल 11 खिलाड़ी ऐसी रहीं, जिन्होंने इस साल इन सभी पांचों टूर्नामेंट में हिस्सा लिया।

अनुभवी फारवर्ड लालरेमसियामी भी इस समूह का हिस्सा हैं। वह इस साल अब तक खेले गए 28 मुकाबलों में से 26 में मैदान पर उतरी हैं। एशियाई चैंपियंस ट्राफी के बाकी मुकाबलों में उनके पास अपने मैचों की संख्या बढ़ाने का अवसर है। वह अब तक 11 गोल कर चुकी हैं। इनमें चीन के खिलाफ एशियाई खेलों के फाइनल में किया गया निर्णायक गोल भी शामिल है। इसी गोल ने भारत को स्वर्ण पदक दिलाने के साथ 2028 ओलंपिक का टिकट भी पक्का किया था।

चीन के खिलाफ 6-2 की जीत के बाद लालरेमसियामी ने लगातार बड़े टूर्नामेंट खेलने की चुनौती को स्वीकार किया।

उन्होंने मैच के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, यह हमारे लिए बहुत कठिन है। हमें एक साल में इतने सारे बड़े टूर्नामेंट खेलने पड़ते हैं। मानसिक और शारीरिक, दोनों रूप से यह काफी चुनौतीपूर्ण है।

हालांकि, उन्होंने टीम के प्रदर्शन और ऊर्जा को बनाए रखने में पर्दे के पीछे काम करने वाले सहयोगी स्टाफ की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। लालरेमसियामी के मुताबिक, खिलाड़ियों की फिटनेस, अभ्यास के बोझ और चोटों को संभालने के लिए स्टाफ लगातार योजना के साथ काम कर रहा है।

उन्होंने कहा, लेकिन हमारे पास अच्छा सहयोगी स्टाफ है। हमारे साथ शारीरिक प्रशिक्षक वेन लोम्बार्ड हैं। विलियम रोडेट, लारेन सियारा और फिजियो राधिका चौधरी तथा मुंशी प्रत्याक्षी भी हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैं कहना चाहती हूं कि इन सभी ने हमारा बहुत अच्छे से ध्यान रखा है। सभी खिलाड़ी व्यक्तिगत रूप से भी इतनी परिपक्व हैं कि अपने शरीर का ख्याल रख सकें। वेन, रोडेट और सियारा ने हमारा बहुत अच्छी तरह मार्गदर्शन किया है। इसी वजह से हम लगातार मेहनत कर पा रहे हैं और खुद को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित रहते हैं।

लालरेमसियामी ने बताया कि सहयोगी स्टाफ को टीम के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी रहती है और उसी के अनुसार खिलाड़ियों पर पड़ने वाले शारीरिक दबाव को नियंत्रित किया जाता है।

उन्होंने कहा, उन्हें पता होता है कि हमारा अगला कार्यक्रम क्या होने वाला है। वे जानते हैं कि खिलाड़ियों पर पड़ने वाले शारीरिक दबाव को किस तरह बनाए रखना है और किसी खिलाड़ी की चोट का प्रबंधन कैसे करना है।

इस साल की सफलता के पीछे टीम की एकजुटता और हर प्रतियोगिता के लिए अलग लक्ष्य तय करने की रणनीति भी रही है। लालरेमसियामी ने कहा कि पिछले दो-तीन वर्षों में टीम ने काफी संघर्ष किया था। इसलिए खिलाड़ियों ने एक समय में एक ही प्रतियोगिता पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया।

उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर और एक टीम के रूप में हम जानते हैं कि पिछले दो-तीन वर्षों में हमने काफी संघर्ष किया है। इसलिए टीम के तौर पर हमने फैसला किया कि सबसे पहले नेशंस कप पर ध्यान देंगे। हमने सिर्फ नेशंस कप पर अपना ध्यान केंद्रित किया, क्योंकि हमें प्रो लीग के लिए क्वालीफाई करना था। हम इसमें सफल रहे।

उन्होंने आगे कहा, जब विश्व कप का समय आया, तो हमारा ध्यान इस बात पर था कि यूरोपीय टीमों के खिलाफ किस तरह खेलना है, क्योंकि वे शारीरिक रूप से बहुत मजबूत होती हैं। ऐसे में हम अपनी शारीरिक क्षमता को किस तरह बनाए रख सकते हैं, यह हमारे लिए अहम था। इसके बाद हम एशियाई खेलों में पहुंचे।

लालरेमसियामी ने कहा कि टीम की सफलता में खिलाड़ियों की व्यक्तिगत और सामूहिक प्रतिबद्धता ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि एक खिलाड़ी और एक टीम के रूप में हमारी भूख, समर्पण, एकता और टीम भावना ने बहुत अच्छी तरह एक साथ काम किया है। लास एंजिलिस ओलंपिक की तैयारी के दौरान भी हम इसी तरह आगे बढ़ते रहेंगे।

खेल पंचाट न्यायालय ने सेनेगल को घोषित किया अफ्रीका कप आफ नेशंस 2025 का विजेता



लुसाने

मोरक्को को चैंपियन बनाने का सीएएफ अपील बोर्ड का फैसला रद्द, सेनेगल की 1-0 की जीत बहाल

खेल पंचाट न्यायालय ने सेनेगल को अफ्रीका कप आफ नेशंस 2025 का विजेता घोषित कर दिया। न्यायालय ने अफ्रीकी फुटबाल परिसंघ (सीएएफ) के अपील बोर्ड के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें मोरक्को को चैंपियन घोषित किया गया था। इसके साथ ही सीएएफ की अनुशासन समिति का मूल फैसला बहाल हो गया और फाइनल में सेनेगल की 1-0 की जीत को बरकरार रखा गया।

स्विट्जरलैंड स्थित खेल पंचाट न्यायालय ने अपने फैसले में कहा, खेल पंचाट न्यायालय (सीएएस) ने सेनेगल फुटबाल महासंघ (एफएसएफ) की ओर से अफ्रीकी फुटबाल परिसंघ (सीएएफ) और रायल मोरक्कन फुटबाल महासंघ (एफआरएमएफ) के खिलाफ दायर अपील स्वीकार कर ली है। यह अपील अफ्रीका कप आफ नेशंस मोरक्को 2025 के फाइनल से संबंधित थी। सीएएफ अपील बोर्ड का फैसला रद्द किया जाता है और सीएएफ अनुशासन समिति का फैसला बहाल किया जाता है।

न्यायालय ने आगे कहा, परिणामस्वरूप, अफ्रीका कप आफ नेशंस 2025 के फाइनल के अंत में प्राप्त नतीजे की पुष्टि की जाती है। सेनेगल ने यह मुकाबला 1-0 से जीता था। सेनेगल ने अफ्रीकी फुटबाल परिसंघ के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें जनवरी में रबात में खेले गए फाइनल में मेजबान मोरक्को को चैंपियन घोषित किया गया था। सेनेगल ने अतिरिक्त समय में मोरक्को को 1-0 से हराया था, लेकिन बाद में सीएएफ के फैसले के कारण उससे खिताब छिन गया था। फाइनल के नियमित समय के अंतिम क्षणों में सेनेगल के खिलाफ पेनाल्टी दिए जाने के बाद टीम के खिलाड़ियों ने विरोध जताते हुए मैदान छोड़ दिया था। कुछ खिलाड़ी विरोध में ड्रेसिंग रूम तक चले गए थे। करीब 14 मिनट तक खेल रुका रहा, जिसके बाद सेनेगल की टीम दोबारा मैदान पर लौटी और मुकाबला शुरू हुआ। मोरक्को पेनाल्टी को गोल में बदलने में नाकाम रहा। इसके बाद मैच अतिरिक्त समय में पहुंचा, जहां सेनेगल ने निर्णायक गोल कर जीत हासिल की।

एलएनसीटी ने सीआईएसटी को 2-0 से हराकर जीता सॉफ्टबॉल खिताब



भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) की नोडल स्तरीय सॉफ्टबॉल पुरुष प्रतियोगिता 2026-27 में मेजबान एलएनसीटी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में सीआईएसटी को 2-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता का आयोजन एलएनसीटीएस परिसर, रायसेन रोड पर किया गया, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों के 100 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

पहले सेमीफाइनल में सीआईएसटी ने बंसल कॉलेज, मंडीदीप को 7-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में एलएनसीटी ने सिस्टेक, रातीबड़ को 10-0 के बड़े अंतर से शिकस्त दी।

विजेता एलएनसीटी टीम में अंशु पटेल, अमन पटेल, यश सरशोडे, महेश कुशवाहा, जलज दुबे, ज्योतिर्मय तिवारी, उमेश गुप्ता सहित अन्य खिलाड़ी शामिल रहे। समापन समारोह में आरजीपीवी एवं एलएनसीटी समूह के अधिकारियों ने विजेता और उपविजेता टीमों को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया।

अंडर-22 में ग्वालियर मजबूत, भोपाल को जीत के लिए 244 रन की जरूरत

भोपाल। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की पीएन पटेल ट्रॉफी अंडर-22 के समूह चरण में तीसरे दिन ग्वालियर ने भोपाल के सामने 254 रन का लक्ष्य रखा। ग्वालियर ने पहली पारी में 303 रन बनाए, जवाब में भोपाल 288 रन पर आउट हुआ। दूसरी पारी में ग्वालियर ने 238 रन बनाए। भोपाल ने चौथी पारी में 8 ओवर में बिना विकेट खोए 10 रन बना लिए हैं। प्रियांशु प्रण 6 और पूशंक शर्मा 4 रन पर नाबाद हैं। अंडर-18 स्व. श्री जीएस पठानिया टूर्नामेंट में फेथ क्रिकेट अकादमी ने शिवाय को 49 रन से हराया। फेथ ने 137 रन बनाए। कृष्णा गुप्ता ने 38 और हरीश नागर ने 30 रन बनाए। जवाब में शिवाय 88 रन पर सिमट गई। आरुष कुमार ने 4 और सत्यम मीणा व कृष्णा गुप्ता ने 3-3 विकेट लिए। दूसरे मुकाबले में सिली पॉइंट ने संजय गुप्ता की टीम को 7 विकेट से हराया। युग रघुवंशी ने नाबाद 60 रन बनाए।

मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकादमी ने रायसेन को 201 रन से हराया, देवांश और प्रारब्ध चमके



भोपाल। स्व. श्री हुकुम सिंह ठाकुर मेमोरियल सुपर नॉकआउट क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रायसेन जिला क्रिकेट संघ को 201 रन से हराया। ओल्ड चैंपियन ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में देवांश यदुवंशी की तूफानी बल्लेबाजी और प्रारब्ध मिश्रा की घातक गेंदबाजी जीत के मुख्य आकर्षण रहे।

टॉस जीतकर रायसेन के कप्तान मोहित रघुवंशी ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मयंक अकादमी ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 231 रन बनाए। देवांश यदुवंशी ने 36 गेंदों में 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से 69 रन बनाए। ऋषभ पांडे ने 33 गेंदों में 9 चौके और 2 छक्के लगाकर 61 रन की पारी खेली। कृष मल्होत्रा ने 29 रन और समृद्ध तिर्की ने 8 गेंदों में नाबाद 19 रन बनाए। रायसेन की ओर से अनुज घोषी ने 3 विकेट लिए, जबकि प्रिंस पटेल और वैभव अवस्थी को 2-2 विकेट मिले।

30 रन पर सिमटी रायसेन की टीम: 232 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रायसेन की टीम मयंक अकादमी की गेंदबाजी के सामने 8.2 ओवर में महज 30 रन पर ऑलआउट हो गई। प्रारब्ध मिश्रा ने 4 ओवर में 18 रन देकर 5 विकेट झटके। रौनक बिलगोतिया ने 4 ओवर में एक मेडन के साथ 11 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि कप्तान अरबाज उद्दीन को एक विकेट मिला। शानदार प्रदर्शन के लिए देवांश यदुवंशी और प्रारब्ध मिश्रा को संयुक्त रूप से मैन ऑफ द मैच चुना गया। पुरस्कार डॉ. सुशील सिंह ठाकुर, वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रजेन्द्र सिंह राजपूत और प्रमोद मौर्य ने प्रदान किए।

जहीर खान की नई पहल इक्वल से क्रिकेट में आएगा बड़ा बदलाव, एक ही टीम में खेलेंगे महिला और पुरुष खिलाड़ी

अगस्त 2027 में जर्मनी में होगा पांच टीमों की मिश्रित टी20 लीग का पहला संस्करण, हर एकादश में छह महिला और पांच पुरुष खिलाड़ी होंगे शामिल

मुंबई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज और 2011 विश्व कप विजेता जहीर खान को नई मिश्रित टी20 क्रिकेट लीग इक्वल की अपार संभावनाओं पर पूरा भरोसा है। यह महत्वाकांक्षी पहल क्रिकेट के पारंपरिक प्रारूप को चुनौती देते हुए महिला और पुरुष खिलाड़ियों को एक ही एकादश में खेलने का अवसर देगी। इस पहल की परिकल्पना एंकर स्पोर्ट्स ने की है, जिसके सह-मालिक जहीर खान और सूचना प्रौद्योगिकी उद्यमी नागेंद्र सिद्धौताम हैं। इसे जर्मन क्रिकेट महासंघ के साथ साझेदारी में विकसित किया जा रहा है।

पहली बार इस तरह की मिश्रित महिला-पुरुष क्रिकेट लीग शुरू करने की तैयारी है। इक्वल में पेशेवर महिला और पुरुष क्रिकेटर एक साथ मैदान पर उतरेंगे। इससे टी20 प्रारूप को एक नया और समावेशी स्वरूप मिलेगा। पुरुष और महिला क्रिकेट के अलग-अलग टूर्नामेंटों की परंपरा से हटकर इस प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ी एक ही लीग में हिस्सा लेंगे। इसमें एक ही अंकतालिका होगी और एक ही टीम चैंपियन बनेगी।

प्रस्तावित प्रारूप के अनुसार, पहले संस्करण में पांच टीमें कुल 12 टी20 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। प्रत्येक टीम में 18 खिलाड़ी होंगे। हर मैच की एकादश में छह महिला और पांच पुरुष खिलाड़ी शामिल होंगे। टी20 क्रिकेट के मौजूदा नियमों को बरकरार रखते हुए इस प्रारूप



में खेलने के स्पष्ट नियम, खिलाड़ियों की सुरक्षा के उपाय और स्थानापन्न खिलाड़ियों से जुड़े प्रावधान भी शामिल किए जाएंगे, ताकि प्रतियोगिता को व्यवस्थित और प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके।

एंकर स्पोर्ट्स के सह-मालिक जहीर खान ने कहा, क्रिकेट में लोगों को एकजुट करने की ताकत है। खासकर यूरोप जैसे उभरते बाजारों में इस खेल का विकास इस बात पर निर्भर करेगा कि हम इसे कितने व्यापक दर्शक वर्ग के लिए सुलभ बना पाते हैं। इक्वल जैसी पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यह सभी लिंगों के लोगों को खेल में हिस्सा लेने, योगदान देने और क्रिकेट के विकास का हिस्सा बनने का अवसर देती है।

उन्होंने कहा, 2028 में क्रिकेट की ओलंपिक खेलों में वापसी के साथ इस खेल को नए समुदायों तक पहुंचाने और इसकी वैश्विक पहुंच बढ़ाने का अवसर है। इक्वल को खास बनाने वाली बात यह है कि इसमें एक महिला और एक पुरुष क्रिकेटर एक साथ मैदान पर उतरेंगे और एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2026 के अनुसार, जर्मनी 145 अर्थव्यवस्थाओं में नौवें स्थान पर है। यह रिपोर्ट 16 सितंबर 2026 को प्रकाशित हुई थी। इसमें बताया गया है कि जर्मनी ने लैंगिक अंतर का 81.7 प्रतिशत पाट लिया है। इस पहल का उद्देश्य केवल नए प्रारूप को पेश करना नहीं, बल्कि क्रिकेट में भागीदारी, प्रतिभा विकास और प्रशंसकों की सहभागिता के लिए नए रास्ते तैयार करना भी है। महिला और पुरुष खिलाड़ियों को एक साझा व्यवस्था में लाकर यह पहल क्रिकेट के विकास के लिए समावेशी, टिकाऊ और प्रतिस्पर्धी माडल तलाशना चाहती है।

जर्मन क्रिकेट महासंघ के अध्यक्ष सेवरिन वाइस ने कहा, जर्मनी में पहले से ही महिला और पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों का एक बड़ा समुदाय मौजूद है। हमें ऐसे मंच तैयार करने की अपार संभावनाएं दिखाई देती हैं, जो इन समुदायों को अधिक व्यवस्थित और प्रतिस्पर्धी माहौल में एक साथ ला सकें। इक्वल हमें मौजूदा आधार को मजबूत करने, अधिक लोगों को खेल से जोड़ने, स्थानीय समुदायों तक क्रिकेट पहुंचाने और व्यापक दर्शक वर्ग के सामने इस खेल को पेश करने का अवसर देता है। जर्मन क्रिकेट महासंघ के उपाध्यक्ष डा. विग्नेश संकरन ने कहा, जर्मनी में क्रिकेट अपनी मजबूत जड़ें जमा रहा है और विभिन्न समुदायों के बीच इस खेल को लेकर रुचि तथा भागीदारी बढ़ रही है। इक्वल को खास बनाने वाली बात यह है कि यह अपने नए प्रारूप के जरिए इस गति को आगे बढ़ा सकता है।